पीएम ने मध्य प्रदेश में परियोजनाओं का उद्घाटन किया

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने **मध्य प्रदेश के झाबुआ ज़िले में 7,500 करोड़ रुपए की विकासात्मक परियोजनाओं की आधारशिला रखी और आदिवासी समुदायों** के एक सम्मेलन को **संबोधित किया।**

मुख्य बिंदु:

- **कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री ने:**
  - **राज्य की आहार अनुदान योजना** के तहत लगभग दो लाख महिला लाभार्थियों को मासिक किश्तों का वितरण किया गया।
    - योजना के तहत, विशेष रूप से पिछड़ी जनजातियों की महिलाओं को पौष्टिक भोजन के लिये 1,500 रुपए प्रतिमाह प्रदान किये जाते हैं।
  - [स्वामित्व (SVAMITVA) योजना]() के तहत 1.75 लाख **'अधिकार अभिलेख' (भूमि अधिकारों का रिकॉर्ड)** वितरित किये गए, जो लोगों को उनकी भूमि के अधिकार हेतु दस्तावेज़ी साक्ष्य प्रदान करेगा।
  - प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के तहत 559 गाँवों को 55.9 करोड़ रुपए की धनराशि हस्तांतरित की गई, जिसका उपयोग **आंगनवाड़ी भवन,** [उचित मूल्य की दुकानों](), **स्वास्थ्य केंद्रों, स्कूलों में अतिरिक्त कमरे, आंतरिक सड़कों सहित विभिन्न प्रकार की निर्माण गतिविधियों के लिये किया जाएगा।**
- **शिलान्यास:**
  - **टंट्या मामा भील विश्वविद्यालय** जो राज्य के आदिवासी बहुल ज़िलों के युवाओं को शिक्षा प्रदान करेगा।
  - झाबुआ में **'सीएम राइज स्कूल'** जो छात्रों को **स्मार्ट क्लास, ई-लाइब्रेरी** जैसी आधुनिक सुविधाएँ प्रदान करने के लिये **प्रौद्योगिकी को एकीकृत करेगा।**
  - **'तलावड़ा परियोजना'**, जो धार एवं रतलाम के एक हजार से अधिक गाँवों के लिये पेयजल आपूर्ति योजना है तथा [कायाकल्प और शहरी परिवर्तन के लिये अटल मिशन (AMRUT) 2.0]() के तहत 14 शहरी जल आपूर्ति योजनाएँ, जिससे मध्य प्रदेश के कई ज़िलों में 50,000 से अधिक शहरी परिवार लाभान्वित हो रहे हैं।
  - झाबुआ की 50 ग्राम पंचायतों के लिये **'नल जल योजना',** जिससे लगभग 11,000 घरों को नल का जल मिलेगा।
  - राष्ट्र को समर्पित की जाने वाली **रेल परियोजनाओं** में इंदौर-देवास-उज्जैन सी केबिन रेलवे लाइन के दोहरीकरण, यार्ड रिमॉडलिंग के साथ इटारसी-उत्तर-दक्षिण ग्रेड सेपरेटर और बरखेड़ा-बुदनी-इटारसी को जोड़ने वाली तीसरी लाइन की परियोजनाएँ शामिल हैं।
  - प्रधानमंत्री **मध्य प्रदेश में 3,275 करोड़ रुपए** से अधिक की लागत वाली कई **सड़क विकास परियोजनाएँ** भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे।

अमृत 2.0

- **अमृत मिशन** को हर घर में जल की सुनिश्चित आपूर्ति और सीवरेज कनेक्शन के साथ सभी की नल तक पहुँच को **सुनिश्चित करने के लिये जून 2015 में शुरू** किया गया था।
- अमृत 2.0 का लक्ष्य लगभग 4,700 ULB (शहरी स्थानीय निकाय) में सभी **घरों में जल की आपूर्ति के मामले में 100% कवरेज** प्रदान करना है।
- इसका उद्देश्य स्टार्टअप्स और एंटरप्रेन्योर्स (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) को प्रोत्साहित करके **आत्मनिर्भर भारत पहल को बढ़ावा देना है।**

प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना (PMAGY)

- इसे **वर्ष 2009-10 के दौरान लॉन्च किया गया था।** इस योजना का लक्ष्य अनुसूचित जाति बहुल गाँवों का एकीकृत विकास करना है।
- इस योजना का उद्देश्य **50% से अधिक अनुसूचित जाति आबादी वाले चयनित गाँवों** का एकीकृत विकास सुनिश्चित करना है:
  - मुख्य रूप से प्रासंगिक केंद्र और राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकार की योजनाओं के अभिसरण कार्यान्वयन के माध्यम से और
  - प्रति गाँव 20,00,000 रुपय की सीमा तक केंद्रीय सहायता के रूप में प्रदान की गई 'गैप-फिलिंग' निधि के माध्यम से ऐसी चिन्हित गतिविधियों को शुरू करना जो मौजूदा केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के अंतरगत शामिल नहीं हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/pm-naugurated-projects-in-madhya-pradesh